१० परीक्षा

कहानी का सारांश

यह कहानी एक रियासत के दीवान की नियुक्ति की प्रक्रिया को दर्शाती है। बूढ़े हो चुके दीवान सरदार सुजानसिंह ने अपना पद छोड़ने का फैसला किया और एक नए दीवान की खोज शुरू हुई। रियासत में दीवान के पद के लिए विज्ञापन निकला और देश भर से लोग आवेदन करने आए।

सभी उम्मीदवारों को एक महीने तक रहने और अपनी योग्यता दिखाने का मौका दिया गया। इस दौरान सभी ने खुद को सबसे अच्छा दिखाने की कोशिश की। लेकिन, एक दिन जब सभी उम्मीदवार हॉकी खेल रहे थे, एक किसान की गाड़ी दलदल में फंस गई। अधिकांश उम्मीदवारों ने किसान की मदद करने के बजाय उसे अनदेखा कर दिया।

लेकिन, एक युवक ने किसान की मदद की और उसकी गाड़ी को दलदल से बाहर निकाला। यही युवक बाद में रियासत का नया दीवान बना। दरअसल, यह युवक खुद सरदार सुजानसिंह थे। उन्होंने इस तरीके से सबसे योग्य उम्मीदवार का चयन किया।

कहानी का मुख्य संदेश यह है कि किसी व्यक्ति की योग्यता केवल उसकी शैक्षिक योग्यता या अनुभव से ही नहीं, बल्कि उसके चरित्र, दयालुता और मानवीय गुणों से भी मापी जाती है।

शब्दार्थ:

रियासत : एक छोटा सा राज्य
दीवान : एक उच्च पद का अधिकारी
विनय : नम्रता, विनती
नेकनामी : प्रसिद्धि, यश
नीतिकुशल : आचरण में निपुण
उपस्थित : प्रस्तुत, हाजिर
प्रार्थना : प्रार्थना करना, निवेदन करना
हष्ट-पुष्ट : स्वस्थ, तंदरुस्त
मंदाग्नि : कमजोर व्यक्ति
सुयोग्य : योग्य, काबिल
सज-धज : श्रृंगार
सुशोभित : सुंदर, शोभायमान
मुल्क : देश, राज्य, रियासत
तहलका : हलचल, खलबली
परखना : आजमाना
सनद : शैक्षिक एवं दक्षता प्रमाण पत्र, डिग्री
घृणा : नफरत
नम्रता : विनम्र, नरमी
सदाचार : अच्छा आचरण, अच्छा व्यवहार
अप्रेंटिस : प्रशिक्षु, उम्मीदवार
भलेमानुस : अच्छे व्यक्ति
पथिक : राहगीर, रास्ते पर चलने वाला
उकसाना : प्रोत्साहित करना
आपत्ति : मुसीबत
मद : नशा
वात्सल्य : प्रेम
अकस्मात : अचानक
ठिठक जाना : रुक जाना
दलदल : कीचड़ भरा स्थान
उदारता : दानशीलता
निदान : अंत में
धनाढ्य : अमीर
ईर्ष्या : जलन
कंटोप : टोपी, कानो को ढकने वाला

मुहावरे:

अवस्था ढलना : बूढ़ा होना, उम्र ढलना
पहाड़ होना : कठिन होना
मँजा हुआ खिलाड़ी : कार्य में निपुण
कलेजा धड़कना : घबराना
तहलका मचाना: हंगामा करना
बगुलों में हंस: अच्छे इंसान की पहचान करना मुश्किल होता है
नसीब का खेल: किस्मत का खेल

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **महाराज ने दीवान को ही उनका उत्तराधिकारी चुनने का कार्य उनके किस गुण के कारण सौंपा है ?**
   - **सादगी**
   - **बल**
   - **उदारता**
   - **नीतिकुशलता ★**

2. **दीवान साहब द्वारा नौकरी छोड़ने के निश्चय का क्या कारण था ?**
   - **परमात्मा की याद**
   - **बदनामी का भय**
   - **राज-काज सँभालने योग्य शक्ति न रहना ★**
   - **चालीस वर्ष की नौकरी पूरी हो जाना**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. मैंने नीतिकुशलता इसलिए चुना क्योंकि कहानी में साफ बताया गया है कि महाराज दीवान की समझदारी और अनुभव को बहुत महत्व देते थे। दीवान ने कई सालों तक राजकाज संभाला था और उसे राजनीति का अच्छा ज्ञान था। इसलिए महाराज को भरोसा था कि दीवान एक अच्छा उत्तराधिकारी होगा।
2. "राज-काज सँभालने योग्य शक्ति न रहना" इसलिए चुना क्योंकि कहानी में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि दीवान बूढ़ा हो गया था और वह उतनी मेहनत नहीं कर पा रहा था जितनी पहले करता था। उसे डर था कि कहीं बुढ़ापे में कोई गलती हो जाए।

शीर्षक

(क) आपने जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम प्रेमचंद ने 'परीक्षा' रखा है। अपने समूह में चर्चा करके लिखिए कि उन्होंने इस कहानी का यह नाम क्यों दिया होगा? अपने उत्तर के कारण भी लिखिए।

उत्तर: 'प्रेमचंद' ने कहानी का नाम 'परीक्षा' रखा। इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं-

- दीवान का परीक्षा: कहानी में दीवान को एक नया दीवान चुनने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। यह अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है क्योंकि उसे एक ऐसे व्यक्ति को चुनना होता है जो न सिर्फ योग्य हो बल्कि रियासत के लिए भी उपयुक्त हो।
- उम्मीदवारों की परीक्षा: सभी उम्मीदवारों को भी एक परीक्षा से गुजरना पड़ता है। उन्हें अपनी योग्यता और क्षमता साबित करने के लिए कई तरह के परीक्षणों से गुजरना होता है।
- किसान की परीक्षा: किसान की गाड़ी के दलदल में फंस जाने की स्थिति में सभी उम्मीदवारों की असली परीक्षा होती है। इस परीक्षा में पता चलता है कि कौन सच्चा और परोपकारी है और कौन केवल दिखावा करता है।
- दीवान की परीक्षा: अंत में, दीवान खुद भी एक परीक्षा में पास होता है जब वह किसान की मदद करता है। इस परीक्षा से साबित होता है कि वह न केवल एक योग्य प्रशासक है बल्कि एक अच्छा इंसान भी है।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा, यह भी बताइए?

उत्तर: यदि मुझे इस कहानी को कोई अन्य नाम देना होता, तो मैं इसे निम्न में से कोई एक नाम दे सकता था:

- **"दया का परीक्षण":** कहानी का मुख्य फोकस दया, करुणा और परोपकार पर है। किसान की मदद करने वाले व्यक्ति को ही दीवान चुना जाता है। यह नाम इस बात को उजागर करता है कि दया और करुणा कितनी महत्वपूर्ण हैं।
- **"छल और सच्चाई":** कहानी में कई पात्र छल और दिखावा करते हैं जबकि कुछ अपनी सच्ची पहचान को बनाए रखते हैं। यह नाम कहानी में छल और सच्चाई के बीच के संघर्ष को दर्शाता है।
- **"असली नायक":** कहानी में असली नायक वह है जो मुसीबत में दूसरों की मदद करता है। यह नाम कहानी के नायक को उजागर करता है और हमें सिखाता है कि असली नायक कौन होता है।
- **"पद नहीं, पवित्रता":** कहानी में पद पाने के लिए कई लोग दिखावा करते हैं लेकिन असली पद पाने वाला वह होता है जो पवित्र हृदय वाला होता है। यह नाम इस बात को दर्शाता है कि पद से अधिक महत्वपूर्ण है पवित्रता।

पंक्तियों पर चर्चा

कहानी में से चुनकर यहाँ कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया ? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

“इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हृदय में दया हो और साथ-साथ आत्मबल । हृदय वह जो उदार हो, आत्मबल वह जो आपत्ति का वीरता के साथ सामना करे। ऐसे गुणवाले संसार में कम हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए हैं। ”

उत्तर: इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी, जो दयालु और साहसी हो। दयालुता का मतलब है कि वह उदार हो और साहस का मतलब है कि वह कठिनाइयों का बहादुरी से सामना कर सके। ऐसे गुणवाले लोग संसार में बहुत कम होते हैं और जो होते हैं, वे प्रतिष्ठा और सम्मान के उच्च स्थान पर होते हैं।

सोच-विचार के लिए

कहानी को एक बार फिर से पढ़िए, निम्नलिखित के बारे में पता लगाइए और लिखिए-

(क) नौकरी की चाह में आए लोगों ने नौकरी पाने के लिए कौन-कौन से प्रयत्न किए?
उत्तर: नौकरी की चाह में आए लोगों ने खुद को योग्य साबित करने के लिए अपने आचरण और व्यवहार को बदलने की कोशिश की, जैसे कि समय पर उठना, विनम्रता से बात करना, किताबें पढ़ना आदि।

(ख) "उसे किसान की सूरत देखते ही सब बातें ज्ञात हो गई ।" खिलाड़ी को कौन-कौन सी बातें पता चल गई?
उत्तर: खिलाड़ी को किसान की मुश्किलें और उसकी मदद की आवश्यकता तुरंत समझ में आ गई।

(ग) "मगर उन आँखों में सत्कार था, इन आँखों में ईर्ष्या ।" किनकी आँखों में सत्कार था और किनकी आँखों में ईर्ष्या थी? क्यों?
उत्तर: दरबारियों की आँखों में सत्कार था क्योंकि वे जानकीनाथ को जानते थे और उनका सम्मान करते थे। उम्मीदवारों की आँखों में ईर्ष्या थी क्योंकि वे जानकीनाथ की सफलता से जल रहे थे और खुद को उस पद के योग्य समझते थे।

खोजबीन

कहानी में से वे वाक्य खोजकर लिखिए जिनसे पता चलता है कि-

(क) शायद युवक बूढ़े किसान की असलियत पहचान गया था।
उत्तर: "युवक ने किसान की तरफ गौर से देखा । उसके मन में एक संदेह हुआ, क्या यह सुजानसिंह तो नहीं हैं? आवाज मिलती है, चेहरा-मोहरा भी वही । "

(ख) नौकरी के लिए आए लोग किसी तरह बस नौकरी पा लेना चाहते थे।
उत्तर: " जिससे बात कीजिए, वह नम्रता और सदाचार का देवता बना मालूम देता था लोग समझते थे कि एक महीने का झंझट है, किसी तरह काट लें, कहीं कार्य सिद्ध हो गया तो कौन पूछता है ?"

कहानी की रचना

" लोग पसीने से तर हो गए। खून की गरमी आँख और चेहरे से झलक रही थी । "
इन वाक्यों को पढ़कर आँखों के सामने थकान से चूर खिलाड़ियों का चित्र दिखाई देने लगता है। यह चित्रात्मक भाषा है। ध्यान देंगे तो इस पाठ में ऐसी और भी अनेक विशेष बातें आपको दिखाई देंगी। कहानी को एक बार ध्यान से पढ़िए। आपको इस कहानी में और कौन-कौन-सी विशेष बातें दिखाई दे रही हैं? अपने समूह में मिलकर उनकी सूची बनाइए ।

उत्तर: यह वाक्य हमें एक जीवंत चित्र प्रस्तुत करता है। हम खिलाड़ियों की थकान और मेहनत को महसूस कर सकते हैं।

- "खिलाड़ी हाथों में डंडे लिए घूमते-घूमते उधर से निकले।"
- "युवक ने पैरों को जोर लगाकर घुमाया।"
- "किसान ने गाड़ी को हाथ से धकेलना शुरू किया।"

समस्या और समाधानं

इस कहानी में कुछ समस्याएँ हैं और उसके समाधान भी हैं। कहानी को एक बार फिर से पढ़कर बताइए कि
(क) महाराज के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?
उत्तर: महाराज के सामने समस्या थी कि नया दीवान किसे नियुक्त किया जाए। उन्होंने समाधान के रूप में दीवान सुजानसिंह को ही नया दीवान चुनने का कार्य सौंपा।

(ख) दीवान के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?
उत्तर: दीवान के सामने समस्या थी कि वह बूढ़े हो गए थे और अब राज्य कार्य संभालने योग्य नहीं थे। उन्होंने समाधान के रूप में महाराज से निवृत्ति की मांग की।

(ग) नौकरी के लिए आए लोगों के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?
उत्तर: नौकरी के लिए आए लोगों के सामने समस्या थी कि कैसे खुद को योग्य साबित करें। उन्होंने समाधान के रूप में अपने आचरण और व्यवहार को बदलने की कोशिश की।

मन के भाव

"स्वार्थ था, मद था, मगर उदारता और वात्सल्य का नाम भी न था । "
इस वाक्य में कुछ शब्दों के नीचे रेखा खिंची हुई है। ये सभी नाम हैं, लेकिन दिखाई देने वाली वस्तुओं, व्यक्तियों या जगहों के नाम नहीं हैं। ये सभी शब्द मन के भावों के नाम हैं। आप अपनी कहानी में से ऐसे ही अन्य नामों को खोजकर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में लिखिए ।

अभिनय

कहानी में युवक और किसान की बातचीत संवादों के रूप में दी गई है। यह भी बताया गया है कि उन दोनों ने ये बातें कैसे बोलीं। अपने समूह के साथ मिलकर तैयार कीजिए और कहानी के इस भाग को कक्षा में अभिनय के द्वारा प्रस्तुत कीजिए । प्रत्येक समूह से अभिनेता या अभिनेत्री कक्षा में सामने आएँगे और एक-एक संवाद अभिनय के साथ बोलकर दिखाएँगे ।

उत्तर:

युवक : किसान को देखकर घमंड से कहता है, "तुम इतने बड़े दलदल में फंस गए हो, तुम्हारी मदद कौन करेगा?"
किसान : विनम्रता से कहता है, "महाराज, मैं बहुत मुसीबत में हूँ। कृपया मेरी मदद करें।"
युवक : हंसते हुए कहता है, "मैं तुम्हारी मदद क्यों करूँ? तुम तो एक किसान हो।"
किसान : विनम्रता से कहता है, "महाराज, कृपया मेरी दया पर आइए।"'

विपरीतार्थक शब्द

" विद्या का कम, परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा।"

'कम' का विपरीत अर्थ देने वाला शब्द है 'अधिक'। इसी प्रकार के कुछ विपरीतार्थक शब्द नीचे दिए गए हैं लेकिन वे आमने-सामने नहीं हैं। रेखाएँ खींचकर विपरीतार्थक शब्दों के सही जोड़े बनाइए-

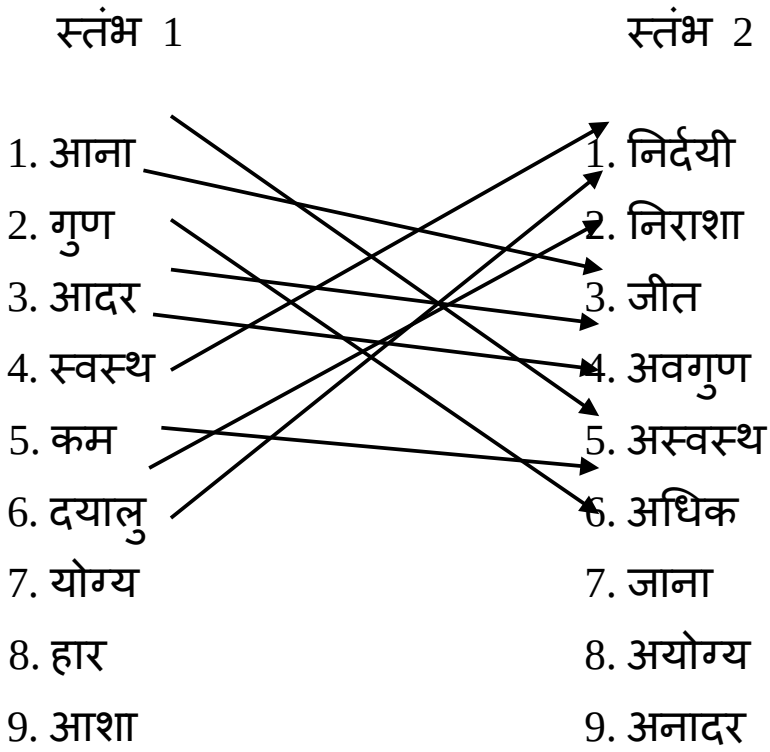

कहावत

" गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है।"

यह वाक्य एक कहावत है। इसका अर्थ है कि कोशिश करने पर ही सफलता मिलती है। ऐसी ही एक और कहावत है, " जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ " अर्थात परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।

कहावतें ऐसे वाक्य होते हैं जिन्हें लोग अपनी बात को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रयोग करते हैं। आपके घर और पास-पड़ोस में भी लोग अनेक कहावतों का उपयोग करते होंगे।

नीचे कुछ कहावतें और उनके भावार्थ दिए गए हैं। आप इन कहावतों को कहानी से जोड़कर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

अधजल गगरी छलकत जाए - जिसके पास थोड़ा ज्ञान होता है, वह उसका दिखावा करता है।

अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत - समय निकल जाने के बाद पछताना व्यर्थ होता 'है।

एक अनार सौ बीमार - कोई ऐसी एक चीज़ जिसको चाहने वाले अनेक हों।

जो गरजते हैं वे बरसते नहीं हैं - जो अधिक बढ़-चढ़कर बोलते हैं, वे काम नहीं करते हैं।

जहाँ चाह, वहाँ राह - जब किसी काम को करने की इच्छा होती है, तो उसका साधन भी मिल जाता है।

(संकेत - विज्ञापन में तो एक नौकरी की बात कही गई थी, लेकिन उम्मीदवार आ गए हजारों । इसे कहते हैं - एक अनार सौ बीमार ।)

उत्तर:

- **अधजल गगरी छलकत जाए** - जिसके पास थोड़ा ज्ञान होता है, वह उसका दिखावा करता है।
  सभी परीक्षार्थी जो वो नही हैं वह दिखाने की कोशिश कर रहे थे।
- **अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत**-समय निकल जाने के बाद पछताना व्यर्थ होता है।
  नौकरी जानकीनाथ को मिल गई बाकी सब अपने व्यवहार पर पछता रहे थे। लेकिन अब इसका कुछ उपयोग नहीं था।
- **एक अनार सौ बीमार** -कोई ऐसी एक चीज़ जिसको चाहने वाले अनेक हों।
  एक नौकरी थी लेकिन कई राज्यों से परीक्षार्थी आए थे।
- **जो गरजते हैं वे बरसते नहीं हैं** - जो अधिक बढ़-चढ़कर बोलते हैं, वे काम नहीं करते हैं।
  जिन्हे कुछ नही आता वे ही दिखावा कर रहे थे।
- **जहाँ चाह, वहाँ राह** - जब किसी काम को करने की इच्छा होती है, तो उसका साधन भी मिल जाता है।
  जिसको सच में यह नौकरी करनी थी उसने ही प्रयत्न किए।

पाठ से आगे

अनुमान या कल्पना से

(क) "दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला"
देश के प्रसिद्ध पत्रों में नौकरी का विज्ञापन किसने निकलवाया होगा? आपको ऐसा क्यों लगता है?
उत्तर: देश के प्रसिद्ध पत्रों में दीवान सुजानसिंह जी ने विज्ञापन निकलवाया होगा क्योंकि नए दीवान को चुनने की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी और इसी के लिए उन्होंने यह उपाय सोचा होगा।

(ख) "इस विज्ञापन ने सारे में मुल्क तहलका मचा दिया" ।
विज्ञापन ने पूरे देश में तहलका क्यों मचा दिया होगा ?
उत्तर: विज्ञापन में रियासत के नए दीवान के चयन के बारे में लिखा था कि दीवान का चयन किसी शिक्षा की डिग्री के आधार पर नहीं अपितु, आचार-व्यवहार के आधार पर होगा। लोगों को ऐसे ऊँचे पद में किसी प्रकार का बंधन नहीं दिखा। इसीलिए सबमें खुशी से तहलका मच गया।

विज्ञापन

"दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है।"

(क) कहानी में इस विज्ञापन की सामग्री को पढ़िए। इसके बाद अपने समूह में मिलकर इस विज्ञापन को अपनी कल्पना का उपयोग करते हुए बनाइए ।

(संकेत– विज्ञापन बनाने के लिए आप एक चौकोर कागज़ पर हाशिया बनाइए। इसके बाद इस हाशिए के भीतर के खाली स्थान पर सुंदर लिखाई, चित्रों, रंगों आदि की सहायता से सभी आवश्यक जानकारी लिख दीजिए। आप बिना रंगों या चित्रों के भी विज्ञापन बना सकते हैं।)

उत्तर: "रियासत देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपने आचरण और कर्तव्य के प्रति सजग हों। शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों का स्वागत है। शिक्षा की औपचारिकता अनिवार्य नहीं है, परंतु नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा आवश्यक है। उम्मीदवारों को एक महीने तक उनके व्यवहार, जीवनशैली, और आचरण के आधार पर परखा जाएगा। योग्य उम्मीदवार को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया जाएगा।"

(ख) आपने भी अपने आस-पास दीवारों पर, समाचार-पत्रों में या पत्रिकाओं में, मोबाइल फोन या दूरदर्शन पर अनेक विज्ञापन देखे होंगे। अपने किसी मनपसंद विज्ञापन को याद कीजिए। आपको वह अच्छा क्यों लगता है? सोचकर अपने समूह में बताइए । अपने 'समूह के बिंदुओं को लिख लीजिए।
उत्तर: स्वयं कीजिए।

(ग) विज्ञापनों से लाभ होते हैं, हानि होती हैं, या दोनों? अपने समूह में चर्चा कीजिए और चर्चा के बिंदु लिखकर कक्षा में साझा कीजिए।
उत्तर:

- **विज्ञापनों के लाभ:**

जागरूकता: नए उत्पादों के बारे में बताते हैं।
तुलना: विभिन्न उत्पादों की तुलना करने में मदद करते हैं।
रोजगार: विज्ञापन उद्योग में रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।
आर्थिक विकास: उपभोग बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं।

- **विज्ञापनों की हानि:**

भ्रामक जानकारी: उत्पादों के बारे में गलत जानकारी देते हैं।
अनावश्यक खर्च: अनावश्यक चीजें खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं।
बच्चों पर बुरा प्रभाव: बच्चों को गलत आदतें सिखा सकते हैं।
समाज पर बुरा प्रभाव: असमानता बढ़ा सकते हैं और लोगों को भौतिकवादी बना सकते हैं।

- **विज्ञापनों का प्रभावी उपयोग:**

सच्ची जानकारी: विज्ञापनों में सच्ची जानकारी दी जानी चाहिए।
लक्षित विज्ञापन: विज्ञापन को विशिष्ट दर्शकों के लिए तैयार किया जाना चाहिए।
सामाजिक मुद्दे: विज्ञापनों में सामाजिक मुद्दों को उठाया जाना चाहिए।
नियमन: विज्ञापनों पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होना चाहिए।

आगे की कहानी

'परीक्षा' कहानी जहाँ समाप्त होती है, उसके आगे क्या हुआ होगा। आगे की कहानी अपनी कल्पना से बनाइए।

उत्तर: कहानी का अंत इस बात पर हुआ कि पंडित जानकीनाथ को सुजानसिंह ने दीवान घोषित कर उनकी अच्छाई सबको बताई। इसके बाद सभी पंडित जानकीनाथ की जय जयकार करने लगे। राजा ने भी उन्हें दीवान के पद पर नियुक्त कर बहुत से उपहार दिए । सुजानसिंह का भव्य विदाई समारोह हुआ और सभी प्रजा ने अपने प्रिय दीवान सुजानसिंह को नम आँखों से विदाई दी। साथ ही नए दीवान पंडित जानकीनाथ को भी स्वीकार किया। जानकीनाथ भी पहले दीवान की ही भाँति प्रजा का ध्यान रखते हुए कार्य करने लगे।"

आपकी बात

(क) यदि कहानी में दीवान साहब के स्थान पर आप होते तो योग्य व्यक्ति को कैसे चुनते?

उत्तर: यदि हम दीवान के स्थान पर रहते तो हम उम्मीदवारों को कोई समस्या बताकर उसका हल ढूँढ़ने के लिए कहते साथ ही उनके समक्ष न्याय के कुछ मुकदमे बनाकर पेश करते और परखते कि वे कैसे न्याय कर रहे हैं। साथ ही ज्ञान के कुछ प्रश्न भी पूछ सकते थे।

(ख) यदि आपको कक्षा का मॉनिटर चुनने के लिए कहा जाए तो आप उसे कैसे चुनेंगे? उसमें किन-किन गुणों को देखेंगे? गुणों की परख के लिए क्या-क्या करेंगे?

उत्तर: कक्षा का मॉनिटर चुनने के लिए महत्वपूर्ण गुण और उनकी परख

- गुण : नेतृत्व, अनुशासन, जिम्मेदारी, संचार कौशल, समस्या समाधान, लोकप्रियता
- परख : दैनिक कार्यों में अवलोकन, साथियों से बातचीत, समस्या समाधान की क्षमता का परीक्षण, अनुशासन का मूल्यांकन

मॉनिटर चुनने के लिए छात्रों से मतदान करवाना, शिक्षक का निर्णय और समूह चर्चा करेंगे।
एक अच्छे मॉनिटर के कर्तव्य:

- कक्षा में अनुशासन बनाए रखना
- शिक्षकों की मदद करना
- साथियों के बीच समन्वय स्थापित करना
- कक्षा की गतिविधियों का आयोजन करना

नया - पुराना

"कोई नए फैशन का प्रेमी, कोई पुरानी सादगी पर मिटा हुआ।"

हमारे आस-पास अनेक वस्तुएँ ऐसी हैं जिन्हें लोग नया फैशन या पुराना चलन कहकर दो भागों में बाँट देते हैं। जो वस्तु आपके माता- -पिता या दादा-दादी के लिए नई हो, हो सकता है वह आपके लिए पुरानी हो, या जो उनके लिए पुरानी हो, वह आपके लिए नई हो। अपने परिवार या परिजनों से चर्चा करके नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए-

मेरे लिए नई वस्तुएँ	मेरे लिए पुरानी वस्तुएँ	परिवार के बड़ों के लिए पुरानी वस्तुएँ	परिवार के बड़ों के लिए नई वस्तुएँ
रोबोट	कंप्यूटर	फोन	रेडियो
रॉकेट	टी.वी.	मोबाइल	5 पैसे
पुराने नोट/सिक्के	स्कूटर	कार	लट्टू
संदूक	बैट्री वाले खिलौने	ताँगा	चॉकलेट
	हवाई जहाज		खट्टी-मीठी गोलियाँ

वाद-विवाद

"आपस में हॉकी का खेल हो जाए । यह भी तो आखिर एक विद्या है। "
क्या हॉकी जैसा खेल भी विद्या है? इस विषय पर कक्षा में एक वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन कीजिए। इसे आयोजित करने के लिए कुछ सुझाव आगे दिए गए हैं–

कक्षा में पहले कुछ समूह बनाएँ। फिर पर्ची निकालकर निर्धारित कर लीजिए कि कौन समूह पक्ष में बोलेंगे, कौन विपक्ष में।

आधे समूह इसके पक्ष में तर्क दीजिए, आधे समूह इसके विपक्ष में।
सभी समूहों को बोलने के लिए 5-5 मिनट का समय दिया जाएगा।

ध्यान रखें कि प्रत्येक समूह का प्रत्येक सदस्य चर्चा करने, तर्क देने आदि कार्यों में भाग अवश्य लें।
नोट - छात्र 'रचना कौशल' का यह विषय अध्यापिका की सहायता से अपने निर्धारित कालांश में समय-सीमा के अंतर्गत करें।
उत्तर:

- **समूह A** : आप कहते हैं कि हॉकी में कोई ज्ञान प्राप्त नहीं होता, लेकिन क्या आपने कभी देखा है कि हॉकी के खिलाड़ी कितनी मेहनत करते हैं? वे अपनी तकनीक को बेहतर बनाने के लिए लगातार अभ्यास करते हैं। यह भी तो एक तरह का ज्ञान है।
- **समूह B** : हां, वे मेहनत करते हैं, लेकिन यह शारीरिक मेहनत है, मानसिक मेहनत नहीं। विद्या में हम दिमाग का उपयोग करते हैं, न कि सिर्फ शरीर का।
- **समूह A** : हॉकी में भी दिमाग का बहुत उपयोग होता है। हमें मैदान पर स्थितियों को समझना होता है, रणनीति बनानी होती है और अपने विरोधियों को पछाड़ना होता है।
- **समूह B** : यह सही है कि हॉकी में दिमाग का उपयोग होता है, लेकिन यह विद्या के स्तर का नहीं है। विद्या में हम ज्ञान का निर्माण करते हैं, जबकि खेल में हम सिर्फ उस ज्ञान का उपयोग करते हैं।
- **समूह A** : हॉकी के माध्यम से हम कई मूल्यवान गुण सीखते हैं जैसे कि टीम वर्क, अनुशासन, और नेतृत्व। ये गुण हमें जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने में मदद करते हैं।

- **समूह B** : हॉकी एक मनोरंजन का साधन है। यह हमें खुश रखता है और तनाव कम करता है। लेकिन यह एक विद्या नहीं है।

अच्छाई और दिखावा

"हर एक मनुष्य अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश करता था । " अपने समूह में निम्नलिखित पर चर्चा कीजिए और चर्चा के बिंदु अपनी लेखन - पुस्तिका में लिख लीजिए-

(क) हर व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार स्वयं को अच्छा दिखाने की कोशिश करता है। स्वयं को अच्छा दिखाने के लिए लोग क्या-क्या करते हैं? (संकेत - मेहनत करना, कसरत करना, साफ़-सुथरे रहना आदि)

उत्तर: लोग आपने कुछ अच्छे उदाहरण दिए हैं। इसके अलावा भी लोग कई और चीजें करते हैं जैसे:

- शारीरिक रूप से आकर्षक दिखना
- अच्छे कपड़े पहनना
- अच्छे व्यवहार करना
- ज्ञानवान बनने की कोशिश करना
- समाज सेवा करना
- सफल होने की कोशिश करना
- सोशल मीडिया पर अच्छी छवि बनाना
- दूसरों की तारीफ करना

(ख) क्या 'स्वयं को अच्छा दिखाने में और 'स्वयं के अच्छा होने' में कोई अंतर है? कैसे?

उत्तर: स्वयं को अच्छा दिखाना और स्वयं के अच्छा होना दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। स्वयं को अच्छा दिखाना एक बाहरी प्रक्रिया है, जबकि स्वयं के अच्छा होना एक आंतरिक यात्रा है। एक व्यक्ति को दोनों पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन आंतरिक विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। क्योंकि सच्चा सुख और संतुष्टि आंतरिक शांति से आती है।

परिधान तरह-तरह के

"कोट उतार डाला "

'कोट' एक परिधान का नाम है। कुछ अन्य परिधानों के नाम और चित्र नीचे दिए गए हैं। परिधानों के नामों को इनके सही चित्र के साथ मिलाइए। इन्हें आपके घर में क्या कहते हैं? 'लिखिए-

उत्तर: चुनरी, फूलम, घाघरा, गाउन , पायजामा, अँगरखे, साफा

आपकी परीक्षाएँ

हम सभी अपने जीवन में अनेक प्रकार की परीक्षाएँ लेते और देते हैं। आप अपने अनुभवों के आधार पर कुछ परीक्षाओं के उदाहरण बताइए | यह भी बताइए कि किसने, कब, कैसे और क्यों वह परीक्षा ली। (संकेत- जैसे, किसी को विश्वास दिलाने के लिए उसके सामने साइकिल चलाकर दिखाना, स्कूल या घर पर कोई परीक्षा देना, किसी को किसी काम की चुनौती देना आदि।)

उत्तर: जब हम किशोर होते हैं, तो हम अपने दोस्तों के सामने कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, जैसे कि गाना गाना, नाचना या कोई खेल खेलना। यह हमारे लिए एक परीक्षा होती है कि हम कितने आत्मविश्वासी हैं।

आज की पहेली

आज आपकी एक रोचक परीक्षा है। यहाँ दिए गए चित्र एक जैसे हैं या भिन्न? इन चित्रों में कुछ अंतर हैं। देखते हैं आप कितने अंतर कितनी जल्दी खोज पाते हैं।